वर्ष : 6 • अंक : 22 • अक्टूबर-दिसम्बर 2019 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय विद्वत्समीक्षित त्रैमासिक शोध-पत्रिका)

(International Peer Reviewed Referred Journal of Multidisciplinary Research in Multi-Language)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या-09555222747, 09540468787, 0991158532, 09266319639

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 2500 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**

*** शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
  (पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
  (पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
  (पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
  (अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
  (संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
  (पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
  (प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
  (पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
  (हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
  (अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
  (पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राम भरत सिंह**
  (पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रामप्रवेश कुमार**
  (संस्कृत विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
  (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
  (अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **डॉ. इन्द्र नारायण सिंह**
  (बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राजेश रंजन**
  (पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
  (इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
  (राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. प्रवेश सक्सेना**
  (सेवानिवृत्त प्रोफेसर संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. गजेन्द्र सिंह**
  (एसोसिएट प्रोफेसर, अफ्रीकन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. पी.के. सिसोदिया**
  (भौतिकी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज)
- **श्री महीपाल सिंह**
  (पूर्व वरिष्ठ पत्रकार, राष्ट्रीय सहारा, दिल्ली)
- **श्री अनिल चमड़िया**
  (वरिष्ठ पत्रकार एवं स्वतंत्र लेखक, दिल्ली)
- **डॉ. शरद रंजन**
  (एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi****-110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya*-823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• **Mrs Kirthee Devi Ramjatton**
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. रसाल सिंह**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. हरीश अरोड़ा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (सांध्य), दिल्ली)
- **डॉ. मनोज कुमार सिन्हा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **लाजपत राय**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र, सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **उमेश कुमार**
(इतिहास विभाग, श्रद्धानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राम प्रमोल कुमार**
(संस्कृत विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, बंगाल)
- **डॉ. संजय सेठ**
(हिन्दी विभाग, सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. के.के. झा**
(हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. अमित सुमन**
(इतिहास विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-शास्त्र, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

विद्वत् समीक्षा समिति (Peer-Review Committee)

हिन्दी :
डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर, दलित चिंतक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी
डॉ. रसाल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. राम किशोर यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. लालजी सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. कृष्णलाल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, श्री अरविन्दो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
श्री महीपाल सिंह, पूर्व वरिष्ठ पत्रकार, राष्ट्रीय सहारा, नोएडा
श्री राजीव रंजन श्रीवास्तव, पत्रकार एवं स्तम्भकार, हिन्दुस्तान, नोएडा
डॉ. चन्द्रशेखर राम, असिस्टेंट प्रोफेसर, अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

संस्कृत :
प्रो. दलवीर सिंह चौहान, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
प्रो. रामप्रवेश कुमार, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया
डॉ. उमाशंकर, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. मारूफ-उर-रहमान, असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली
डॉ. राजीव रंजन, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. रूपेश कुमार चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

इतिहास :
डॉ. एम.एम. रहमान, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. उमेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. अजीत झा, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. मनोज शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. ईश्वर दान, असिस्टेंट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

विधि :
डॉ. अनुपम झा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. पंकज चौधरी, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. आशुतोष मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
अजय कुमार सिंह, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली
रवि शेखर मंगलमूर्ति, लोक अभियोजन अधिकारी, दिल्ली

अर्थशास्त्र :
डॉ. शरद रंजन, एसोसिएट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली
डॉ. अनिल कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, श्यामलाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली
डॉ. दुष्यंत त्यागी, असिस्टेंट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली

अंग्रेजी :
डॉ. सूर्यकांत मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज (प्रात:), दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. संजय वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

अफ्रीकन स्टडीज :
डॉ. गजेन्द्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

भूगोल शास्त्र :
डॉ. वीरेन्द्र सिंह नेगी, एसोसिएट प्रोफेसर, शहीद भगतसिंह कॉलेज, दिल्ली
डॉ. बाबर अली, असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. नवल किशोर, असिस्टेंट प्रोफेसर, शहीद भगतसिंह कॉलेज, दिल्ली

राजनीति शास्त्र :
प्रो. राम भरत सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
प्रो. काशीनाथ जेना, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा
डॉ. सुधीर सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली
लाजपत राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज (प्रात:), दिल्ली

दर्शन शास्त्र :
प्रो. राम सरेख सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. आशुतोष पाण्डेय, पूर्णिया कॉलेज, बिहार
राकेश कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य)

बौद्ध अध्ययन एवं पालि
प्रो. राजेश रंजन, नालन्दा नव-महाविहार, बिहार
डॉ. कामाख्या नारायण तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

मीडिया एवं पत्रकारिता
अनिल चमड़िया, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी
राजीव रंजन श्रीवास्तव, सम्पादक धर्मपृष्ठ, हिन्दुस्तान
डॉ. रूपेश कुमार चौहान, प्रधान सम्पादक-युगान्तर टुडे
मोहम्मद अफसर, संवाददाता-न्यूज एजेंसी, यू.एन.आई.

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 9

दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति अध्यापकों 10
डॉ. ओम मिश्रा

साहित्यिक विधाओं का रंगमंचीय प्रयोग 17
सोहन कुमार

बौद्ध दर्शन के सिद्धांत–प्रसार एवं ह्रास 21
भैरव कुमार

Gandhi's *Satyagraha*: A Non-Violent Mode of Conflict Resolution ----------23
Pallavi Prasad

भारतीय लोकनाट्य परम्परा का रंगमंचीय वैशिष्ट्य 27
सोहन कुमार

भारत में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक महिलाओं की स्थिति एवं भूमिका 31
भैरव कुमार

Amalgamation of pre-determinism and free will in Buddhism ---------- 34
Pooja Singh

शब्दार्थसम्बन्धः 37
डॉ. रूपेशकुमारचौहानः

क्या भारत का विभाजन अपरिहार्य था? 39
महेश कुमार किलानियाँ

नारी सशक्तिकरण में स्वास्थ्य की भूमिका : एक वैज्ञानिक अध्ययन 46
अलका रानी

औपनिवेशिक युगीन आर्थिक नीतियाँ : कृषि संकट, विऔद्योगिकीकरण एवं आर्थिक विध्वंस 50
महेश कुमार किलानियाँ

Emergence and Growth of Indian English... -57
Jagat Singh

The Great Depression ----------63
Mayank Kumar

पुराणेषु वास्तुशास्त्रस्वरूपम् 68
कन्हैयाकुमारझा

भारतीय क्रांतिकारी - नवीन उम्मीदों एवं प्रगतिशीलता के प्रवर्तक 73
महेश कुमार किलानियाँ

भरतपुर की जाट सत्ता के अधीन साहित्य का विकास 83
डॉ. प्रणव देव

समन्वित ग्रामीण विकास और कृषि प्रतिरूप एक शोधपरक अध्ययन (नांवा तहसील के विशेष संदर्भ में) 88
डॉ. विजय कुमार

Identity Crisis in Sashi Deshpande's: 'The Dark Holds No Terrors' ----------97
Dr. Rajeev Ranjan

'The Foreigner' By Arun Joshi: A Study In Alienation ---------- 102
Dr. Ritika Kashyap

Treatment of Indian Sensibility and East-West Encounter in Kamala Markandaya's --------- 107
Dr. Dharmendra Kumar

The Reflection of Modern Life as projected in Bharati Mukherjee's *Miss New India* ---------- 112
Dr. Anand Atikant

अलवर जिले में खनिज दोहन का पर्यावरणीय प्रभाव एक शोधपरक अध्ययन 116
बाबू लाल मीणा

मन्नू भंडारी के कथा-साहित्य में परिवार का स्वरूप .. 121
अफ़साना बी

Translation Method in Teaching of English As A Second Language ---------- 127
Dr. Jai Vardhan Kumar

भारतीय सिनेमा में दलित अस्मिता और उपस्थिति 132
विजयलक्ष्मी पाण्डेय

रामवृक्ष बेनीपुरी के रेखाचित्रों में बिहार की प्रतिच्छवि 135
डॉ. अन्नपूर्णा शाही

दलित साहित्य एक अवलोकन 140
राज नारायण सिंह

अलका सरावगी के उपन्यास त्रयी में जनसंचार विमर्श 144
मैना शर्मा

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना : एक दार्शनिक विमर्श लोकल फार वोकल 152
डॉ. प्रियंका त्रिपाठी

विश्व शान्ति की स्थापना में योग दर्शन की भूमिका 158
योगी आचार्य निरंजन देव

Picture of Civilised Life and Tribal Life in *The Strange Case of Billy Biswas* ---------- *163*
Dr. Himanshu Shekhar

Feminism Perspective in Manju Kapur's *Difficult Daughters* ---------- ***166***
Dr. Ritu Kumari

हिलसा शहर में ग्रामीण जनसंख्या के आगमन की प्रवृत्ति एवं उत्पन्न समस्याएँ 170
डा. अशोक कुमार
भारतीय संस्कृति में छठ व्रत 175
कल्पना कुमारी
प्रेम और सौन्दर्य के कवि : गोपाल सिंह 'नेपाली' ... 180
डॉ. गुरू चरण सिंह
Morbidity in Tennyson's Poetry ---------- 185
Dr. Arpana Sinha
महिला सशक्तिकरण में खेल की भूमिका 189
सन्नी कुमार गोंड़
जनसंख्या नियंत्रण में परिवार नियोजन कार्यक्रमों का 194
डॉ. मीना कुमारी
Tax and Inequality ---------- 199
Mayank Kumar
नारी जीवन के विविध आयाम : संस्कृत साहित्य के आलोक में स्त्री विमर्श 201
कुमारी सुलेखा रानी
विकास और विमर्श की जुगलबंदी के बीच निर्मला पुतुल की कविता 203
डा. शहाबुद्दीन
कालिदास के महाकाव्य में प्रकृति विशेषकर सौन्दर्य 210
मणि वाजपेयी
ग्रामीणों के सामाजिक विकास में शिक्षित महिलाओं का योगदान विशेषकर महिला कल्याण व विकास हेतु . 212
डॉ. प्रमोद कुमार प्रभाकर
Resource Appraisal in Muzaffarpur District, Bihar : A Geographic Analysis ---------- 214
Soni Kumari
बच्चन के काव्य में युग-चेतना 220
डॉ. सुनीता सक्सेना
महाभाष्यकालीन आर्थिक स्थिति विशेषकर विदेशी व्यापार 226
डॉ० इंद्रजीत कुमार
भारतीय दर्शन में आत्मा का स्वरूप 229
माधव झा
सारण जिलान्तर्गत मढ़ौरा प्रखंड का राजनीतिक समाजीकरण का विश्लेषण 231
कुमारी सीमा
Political Dimension of International Relation in Ancient India with Special Reference to Kautilya's Arthashastra ---------- 237
Pankaj Kumar Bharti
संयुक्त परिवार में स्त्रियों की मनोदशा का अवलोकन : भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में 240
डॉ. अंजु कुमारी

सम्पादकीय

विज्ञान के विशिष्ट ज्ञान ने अपनी आभा से सभी को प्रकाशित किया है। विज्ञान की यह प्रगति अविश्वसनीय है। एक तरफ उसने मानव कल्याण के लिए चमत्कारिक एवं सृजनात्मक शोध करके जीवन को सहज एवं सरल बनाया है। वहीं दूसरी तरफ सम्पूर्ण मानवता के विनाश एवं संहार के लिए परमाणु हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा भी बनाया है। विज्ञान के इस विकास ने जीवन के अस्तित्व को ही चुनौतीपूर्ण बना दिया है। विज्ञान विनाश का प्रतीक बनता जा रहा है।

आज 'आत्म-विचार' के स्थान पर 'एटम विचार' और 'ब्रह्म शोध' के स्थान पर 'बम-शोध' हो रहा है। सर्वत्र, भय संत्रास और अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष और उसके परिणामस्वरूप अशान्ति और दु:ख का साम्राज्य है। अपने अनुभवों के आधार पर यह कह सकता हूँ कि धर्म, आस्तिकता और नैतिकता, ये सब कल्पनालोक की वस्तुएं हो गई हैं। विज्ञान के कारण व्यक्ति, पर्यावरण और जीवन-मूल्यों के एकत्रित अध्ययन की व्यवस्था समाप्त हो गयी है। इस तरह विज्ञान के एकांगी विकास ने जीवन-मूल्यों को उपेक्षित कर दिया है। गरीब से गरीब देश भी अपने नागरिकों को भूखा रखकर राष्ट्रीय आय का अधिकांश हिस्सा परमाणु हथियारों के आविष्कार और परीक्षण पर खर्च कर रहा है। इनसे सम्पूर्ण विश्व में महंगाई और मुद्रास्फीति है।

विशेषकों का कहना है कि रासायनिक हथियारों एवं कीटाणु युद्ध के क्षेत्र में विकसित देशों के परीक्षणों से नई-नई संक्रामक बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। कभी इबोला तो कभी स्वाइन फ्लू से दहशत का माहौल है। अभी हाल ही में चीन के वुहान शहर में कोरोना वायरस ने आतंक पैदा कर दिया है। इस वायरस से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

इन सारी समस्याओं का सामना सम्पूर्ण मानव जाति को करना पड़ रहा है, जिसका समाधान वैश्विक स्तर पर मिल-जुलकर ही किया जा सकता है। इस समस्या की चुनौतियों से निपटने का एकमात्र साधन शिक्षा है। अपनी शैक्षिक व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन के द्वारा शून्य से शांत अर्थात् जन्म से मृत्यु तक को व्यवस्थित किया जा सकता है। शिक्षा के प्रारंभ से ही पृथ्वी माता के प्रति प्रेम का पाठ पढ़ाना पड़ेगा। तब वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे वाक्यों की सार्थकता होगी। धरती जब माता है तो उसकी वनस्पतियों, जीव-जन्तुओं से भी एक सम्बन्ध बनेगा, जिससे इन प्राकृतिक संसाधनों का अनाप-शनाप दोहन रुकेगा। उपभोक्तावाद की जगह पर नियंत्रित विकास की परिकल्पना को मजबूत करना पड़ेगा। नई विश्व चेतना में घृणा, कट्टरता, हिंसा और ईर्ष्या का व्यापक प्रभाव पड़ता जा रहा है। इसको काबू में करने के लिए सभी धर्मों के बीच आपस में निरंतर बातचीत को बढ़ावा मिलना चाहिए, वहीं पाठ्यक्रम में सभी प्रमुख धर्मों के मूलमंत्र सहिष्णुता, प्रेम, दया जैसी भावनाओं का समावेश होना जरूरी है। महिला सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा पर ध्यान देने से कई तरह की सामाजिक विकृतियों को दूर किया जा सकता है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'स्वच्छ भारत अभियान' को महिला शिक्षा के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।

भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक सबसे बड़ी कमी नगरोन्मुखी होना है। जबकि भारत गाँवों का देश है, इसलिए गाँवोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था आज की सबसे बड़ी जरूरत है। महात्मा गांधी जी के भी यही विचार थे।

अन्त में यह कहा जा सकता है कि शिक्षा प्रकाश है, जो शिक्षित है, वही प्रकाश की ओर ले जाता है। वाक् सुधा का समूल उद्देश्य ही शिक्षा जगत् में फैले अंधियारे को उजाले में बदलना है। अत: आइए हम और आप इस दिशा में एक सार्थक कदम बढ़ाएँ।

- डॉ. रूपेश कुमार चौहान